web : www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-हेल्थ-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-रायगढ़-एजुकेशन-प्रादेशिक-फीचर

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विज़िट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO :- CHHHIN16931 || email :- nyaysakshi@gmail.com || रायगढ़, बुधवार 3 अक्टूबर 2018 || पृष्ठ-8, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-01, अंक-08

दाती महाराज की गिरफ्तारी नहीं होने से दिल्ली हाईकोर्ट नाराज

नई दिल्ली (आरएनएस)। बलात्कार के आरोप में घिरे शनिधाम के संस्थापक दाती महाराज की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पीड़िता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले को सीबीआई को ट्रांसफर करने आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने सीबीआई को दोबारा जांच कर सप्लीमेंट्री चार्जशीट 30 अक्टूबर तक दायर करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई भी 30 अक्टूबर को होगी। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने दाती महाराज की गिरफ्तारी न होने पर दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच को फटकार भी लगाई।

दरअसल, इससे पहले दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच को हाईकोर्ट में जवाब देना होगा। हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था. आपको बता दें कि पीड़िता ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआइ जांच और दाती की गिरफ्तारी की मांग की थी.अभी इस केस की जांच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है.इससे पहले हाईकोर्ट ने दाती महाराज की अब तक गिरफ्तारी न होने पर दिल्ली पुलिस को फटकार लगाई थी.कोर्ट ने पुलिस से पूछा था कि अब तक आपने क्या किया, आपको अंदाज़ा है कि यौन उत्पीड़न और शोषण के क्या मायने है. इस मामले को महीने भर से ऊपर हो चुका है.

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने रेप मामले में दाती महाराज के खिलाफ साकेत कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी. दाती महाराज की बिना गिरफ्तारी के ये चार्जशीट दाखिल की गई थी. दाती और उसके तीन सौतेले भाइयों का नाम भी चार्जशीट के कॉलम नंबर 11 में आरोपी के तौर पर रखा गया था. क्राइम ब्रांच को दाती को गिरफ्तार करने के पर्याप्त सबूत नहीं मिले थे. क्राइम ब्रांच सूत्रों के मुताबिक पीड़िता ने पाली आश्रम में जिन तीन तारीखों पर उसके साथ रेप होने की एफआईआर दर्ज कराई थी, उसमे से एक तारीख को लड़की पाली में मौजूद नही थी बल्कि अजमेर में अपने कॉलेज में मौजूद थी, जिसके सबूत कॉलेज में पीड़िता की उपस्थिति से पता लगे है.

जांच सीबीआई को सौंपी

क्या है पूरा मामला

पीड़ित युवती की शिकायत पर फतेहपुरी बेरी थाने की पुलिस ने 7 जून को दाती और उसके तीन भाइयों अशोक, अर्जुन और अनिल के खिलाफ रेप के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी.शिकायतकर्ता का कहना था कि कथित आरोपियों ने साल 2016 में यहां और राजस्थान स्थित अपने आश्रम में 'चरण सेवा' के नाम पर उसका यौन शोषण किया.आरोप के मुताबिक युवती पर पेशाब पीने तक का दबाव बनाया गया.12 जून को यह केस स्थानीय पुलिस से लेकर इम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया था.

महत्वपूर्ण एवं खास

कोलकाता मेडिकल कॉलेज में भीषण आग

350 मरीज सुरक्षित बाहर निकाले गए

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता मेडिकल कॉलेज ऐंड हॉस्पिटल के फार्मेसी विभाग में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की 10 गाड़ियों को मौके पर रवाना कर दिया गया। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। हॉस्पिटल से करीब 350 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। इस हादसे में किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की अभी कोई सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक बुधवार सुबह कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में फार्मेसी स्टोरी में आग लग गई। आग की लपटों को देखकर वहां अफरा-तफरी मच गई। मरीजों और उनके तीमारदारों ने शोर मचाना शुरू किया। इस बीच प्रशासन ने दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर रवाना कर दी गईं। फिलहाल दमकल की 10 गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। स्थानीय पुलिस की टीम भी मौके पर मौजूद है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेडिकल कॉलेज के सभी मरीज सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि आग लगने की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए करीब 350 मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

बरहम सालिह इराक के नए राष्ट्रपति चुने गए

बगदाद (आरएनएस)। इराक में लंबे राजनीतिक संघर्ष के बाद आखिरकार बरहाम सालिह को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सलीह को कुल 272 सांसदों में से 219 के वोट मिले जिन्होंने मतदान के दूसरे दौर में मंगलवार को अपने वोट डाले। वहीं, सालिह के प्रतिद्वंद्वी फौद हुसैन को 22 वोट मिले।

तीन वैज्ञानिकों को मिलेगा कैमिस्ट्री का नोबेल

स्टॉकहोम (आरएनएस)। साल 2018 के रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार तीन रसायन शास्त्रियों फ्रांसिस अर्नाल्ड (अमेरिका), जॉर्ज पी. स्मिथ (अमेरिका) और सर ग्रेगरी पी विंटर (ब्रिटेन) को दिया जाएगा। रॉयल स्वीडिश अकेडमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार को कहा कि इस साल जिन तीन हस्तियों को रसायन के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है, उन्होंने एंजाइम्स और ऐंटीबॉडीज को विकसित करने के लिए क्रमिक विकास की शक्ति का इस्तेमाल किया है जिससे नए फार्मास्यूटिकल्स और बायोफ्यूल का निर्माण हुआ है।

कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी की सुश्री फ्रांसिस अर्नाल्ड को एंजाइम्स के पहले निर्देशित विकास के लिए पुरस्कार का आधा हिस्सा दिया जायेगा। उनके इस प्रयास से और अधिक पर्यावरण अनुकूल रसायनों का निर्माण हुआ है जिनमें ड्रग्स और नवीनीकृत ईंधन शामिल हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मिसूरी के जॉर्ज स्मिथ और कैम्ब्रिज स्थित एमआरसी लैबोरेटरी एवं मॉलिक्यूलर बायोलॉजी के सर ग्रेगरी पी विंटर को पुरस्कार का शेष हिस्सा दिया जायेगा। स्मिथ ने प्रोटीन के विकास के नए तरीके का ईजाद किया है, जबकि विंटर ने नयी दवाइयों के उत्पादन को ध्यान में रखते हुए ऐंटीबॉडीज के विकास के सिद्धांत का इस्तेमाल किया।

रूसी हमले में मारा गया बगदादी का छोटा बेटा

बगदाद (आरएनएस)। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के मास्टरमाइंड अबु बक्र अल-बगदादी के सबसे छोटे बेटे के के हवाई हमले में मारे जाने की खबर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक इराकी कमांडर ने बताया कि बगदादी का बेटा 22 सितंबर को सीरिया के एक गांव में आतंकियों के अड्डे पर किए गए हवाई हमले में मारा गया।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, कमांडर ने बगदाद टुडे को बताया, हमें यह सूचना मिली है कि इस्लामिक स्टेट चीफ बगदादी का छोटा बेटा रूस द्वारा सीरिया के गांव में दो दिन पहले आतंकियों के अड्डे को निशाना बनाकर किए गए हमले में मारा गया है। हालांकि, बगदादी के बेटे का नाम और उसके उम्र को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। बता दें कि इस्लामिक स्टेट ने इससे पहले जुलाई में दावा किया था कि बगदादी का एक और बेटा हुदायफाह अल-बदरी होम्स स्थित पावर प्लांट पर हमले में मारा गया था।

फ्लाइट में यात्री ने शुरू किया वर्कआउट, करानी पड़ी आपात लैंडिंग

बॉस्टन (आरएनएस)। अमेरिकन एयरलाइंस की एक फ्लाइट में यात्री की अजीब हरकत के कारण फ्लाइट की आपात लैंडिंग करनी पड़ी। फिनिक्स से बॉस्टन जा रही फ्लाइट में शराब के नशे में धुत एक शख्स सीट से उठकर वर्कआउट करने लगा।

दो और बब्बर शेरों की मौत के बाद 23 पर पहुंचा आंकड़ा

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात में खतरनाक वायरस के हमले का शिकार हुए गिर शेरों से संकट टलता नहीं दिख रहा है। 12 सितंबर से शुरू हुआ गिर शेरों की मौत का सिलसिला जारी है और बीते सोमवार को दो और शेरों की मौत के साथ अबतक 23 गिर शेर जान गंवा चुके हैं। यहां के अमरेली जिले में कुल 26 शेरों वाले अभयारण्य का केवल 20 दिनों में लगभग सफाया हो गया है।

बचे तीन शेर वायरस से बचे रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वन व पर्यावरण विभाग के अडिशनल चीफ सेक्रटरी राजीव गुप्ता ने बताया, यहां के 26 शेरों में से दो और सोमवार को मर गए। इससे पहले जान गंवाने वाले 21 गिर शेरों में से चार में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) संक्रमण की पुष्टि हुई है, वहीं 17 अन्य शेरों की मौत प्रोटोजोआ इंफेक्शन के चलते हुई। यह इंफेक्शन कुत्तों और मवेशियों के शरीर पर पाए जाने वाले कीड़ों से फैलता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि राज्य सरकार को बचे हुए शेरों को मध्यप्रदेश भेजने में अब देरी नहीं करनी चाहिए। अभी एहतियात के तौर पर वन विभाग ने सेमरडी इलाके के पास सरसिया से 31 शेरों को हटाकर जामवाला रेस्क्यू सेंटर में शिफ्ट किया है। शेरों की मौत के बाद यह भी सामने आया कि गिर शेरों में सीडीवी की मौजूदगी के बारे में 2011 से गुजरात के वन विभाग को दो बार आगाह किया गया था।

देश के 46वें मुख्य न्यायाधीश बने रंजन गोगोई, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (आरएनएस)। अटर्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल ने सोमवार को जब यह कहा कि जजों की सैलरी तिगुनी होनी चाहिए तो शायद उनके दिमाग में सुप्रीम कोर्ट के जजों द्वारा संपत्ति को लेकर दिया गया घोषणापत्र रहा होगा। खासकर विदा हो रहे सीजेआई दीपक मिश्रा और नए सीजेआई रंजन गोगोई की संपत्तियां उनके जेहन में रही होंगी। बता दें कि जस्टिस रंजन गोगोई ने बुधवार को 46वें सीजेआई (चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया यानी भारत के प्रधान न्यायाधीश) के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में सुबह पौने 11 बजे के करीब उन्हें राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने शपथ दिलाई। वह सीजेआई बनने वाले पूर्वोत्तर से पहले जज हैं। उनके पिता असम के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं।

2001 में हाई कोर्ट के जज बने थे गोगोई

इससे पहले, पूर्व सीजेआई दीपक मिश्रा उच्च न्यायपालिका में स्थायी जज के तौर पर 21 सालों की सेवा के बाद रिटायर हुए। इनमें से 14 साल वह अलग-अलग हाई कोर्ट में जज रहें। दूसरी तरफ, जस्टिस गोगोई 28 फरवरी 2001 को गुवाहाटी हाई कोर्ट के जज बने थे और 23 अप्रैल 2012 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में शपथ ली।

बड़े वकीलों की एक दिन की कमाई से भी कम हैकुल संपत्ति

हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में बतौर जज लंबे कार्यकाल के बावजूद इनकी निजी संपत्तियां मामूली ही बनी रहीं। कामयाब वरिष्ठ वकीलों के मुकाबले तो इनकी संपत्तियां कुछ भी नहीं हैं। अगर इनके बैंक बैलेंस में जीवनभर की बचत और दूसरी संपत्तियों को एक साथ करके भी देखें तो यह तमाम वरिष्ठ वकीलों की एक दिन की कमाई से भी कम होगी।

सीजेआई के पास नहीं है एक भी जूलरी, न ही कोई कार

सीजेआई गोगोई के पास सोने की एक भी जूलरी नहीं है, वहीं उनकी पत्नी के पास भी जो कुछ भी जूलरी है, वो शादी के वक्त उनके माता-पिता, रिश्तेदारों और दोस्तों की तरफ से भेंट में दी गई है। पूर्व सीजेआई मिश्रा के पास सोने की 2 अंगुठियां है, जिन्हें वह पहनते हैं। इसके अलावा उनके पास एक गोल्ड चेन है। उनकी पत्नी के पास जस्टिस गोगोई की पत्नी के मुकाबले थोड़ी सी ज्यादा जूलरी है। जस्टिस मिश्रा और जस्टिस गोगोई दोनों के ही पास अपनी कोई व्यक्तिगत गाड़ी नहीं है। शायद इसकी वजह उन्हें मिली सरकारी गाड़ी हो।

सीजेआई के पास अपना घर नहीं, पूर्व सीजेआई के पास होमलोन पर एक फ्लैट

सीजेआई गोगोई पर कोई कर्ज या दूसरी देनदारियां नहीं हैं।

श्मशान में सीबीआई ने करवाई खुदाई, पांच नर कंकाल बरामद

मुजफ्फरपुर शेल्टर होम केस

मुजफ्फरपुर (आरएनएस)। बिहार के मुजफ्फरपुर शेल्टर होम केस की जांच कर रही सीबीआई टीम बुधवार को बिहार के सिकंदरपुर पहुंची। सिकंदरपुर के श्मशान में खुदाई के बाद पांच मानव कंकाल अब तक बरामद हो चुके हैं और अभी खुदाई जारी है। सूत्रों के मुताबिक, यह खुदाई मामले में मुख्य आरोपी ब्रजेश पाठक के ड्राइवर की निशानदेही पर कराई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, मामले की जांच कर रही सीबीआई केस की तह तक जाने के लिए यहां पर खुदाई करवा रही है। आपको बता दें कि मामले में मुख्य आरोपी शेल्टर होम का संचालक ब्रजेश ठाकुर फिलहाल जेल में बंद है और कहा जा रहा है कि यह खुदाई ब्रजेश के ड्राइवर के आधार पर कराई जा रही है। यह भी कहा जा रहा है कि सीबीआई इससे नए तथ्य तलाशने में लगी हुई है।

बिहार के मुजफ्फरपुर में शेल्टर होम में 34 लड़कियों से रेप का खुलासा होने के बाद राज्य की सियासत गरमा गई थी। टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) की रिपोर्ट के बाद इस सनसनीखेज कांड का पता चला था। दबाव बढ़ने के बाद नीतीश सरकार ने इस मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की। साथ ही सरकार ने समाज कल्याण विभाग के सहायक निदेशक देवेश कुमार को निलंबित कर दिया। इसके अलावा भोजपुर, मुंगेर, अररिया, मधुबनी और भागलपुर सामाजिक कल्याण विभाग के सहायक निदेशकों को भी सस्पेंड किया गया। केंद्र की मंजूरी के बाद अब सीबीआई इस घटना की तफ्तीश कर रही है। जांच एजेंसी ने शेल्टर होम संचालक ब्रजेश ठाकुर के बेटे से भी इस मामले में पूछताछ की थी। बाद में उसे छोड़ दिया गया था। बता दें कि बिहार सरकार द्वारा टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) की एक रिपोर्ट सार्वजनिक की गई थी, जिसमें यह सामने आया था कि बिहार के लगभग सभी शेल्टर होम्स में लड़कियों का यौन उत्पीड़न हो रहा था। टीआईएसएस की रिपोर्ट में कहा गया था कि कहीं कम तो कहीं ज्यादा लेकिन सभी शेल्टर होम्स में यह समस्या पाई गई है। टीआईएसएस ने इस साल अप्रैल महीने में अपनी रिपोर्ट समाज कल्याण विभाग को सौंपी थी, इसके बाद ही मुजफ्फरपुर शेल्टर होम में दरिंदगी का मामला सामने आया था।

डॉक्टर ने पेनिस में भर रखी थी कोकीन, ऑरल सेक्स के कारण गई गर्लफ्रेंड की जान

मैगडबर्ग (आरएनएस)। जर्मनी के मैडगबर्ग में 42 साल के एक डॉक्टर ने सेक्स के दौरान की गई अपनी अजीब हरकतों की वजह से गर्लफ्रेंड की जान ले ली। द सन में छपी खबर के अनुसार, गर्लफ्रेंड की हत्या के आरोपी डॉक्टर ने अपने पेनिस में कोकीन का छिड़काव कर रखा था। कोकीन की इस मात्रा के कारण सेक्स के दौरान डॉक्टर की गर्लफ्रेंड की जान चली गई। कोर्ट ने केस की पड़ताल में यह माना कि आरोपी ने इससे पहले भी कुछ अन्य महिलाओं के साथ ऐसी हरकत की थी।

42 साल के डॉक्टर ऐंड्रीज डेविड पर फिलहाल जर्मनी की अदालत में मुकदमा चल रहा है। इस सनकी डॉक्टर पर सेक्स के दौरान अजीब हरकतें करने के कुछ और केस भी हैं। डॉक्टर सेक्स से पहले अपनी स्किन पर कुछ लेप जैसा लगा लेता था, ताकि उसे शारीरिक संबंध बनाने में अलग अनुभव हो। आरोपी डॉक्टर के साथ पूर्व में शारीरिक संबंध बना चुकी कुछ महिलाओं ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। एक महिला ने बताया कि डॉक्टर सेक्स के दौरान उसे धोखे से कोकीन की अधिक डोज देता था। महिला का कहना है कि कोकीन की अधिक मात्रा ले लेने के कारण दो बार उनकी कार टकराने से बची। कार हादसे के कारण उन्हें काफी चोट भी आई। बता दें कि डॉक्टर पर 38 साल की महिला की हत्या का केस चल रहा है। कोर्ट में जांच टीम ने बताया कि ऑरल सेक्स के दौरान एक बार उन्हें सांस लेने में बहुत तकलीफ होने लगी। वह समझ नहीं पा रही थी कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है। जब डॉक्टर के पास उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया तो उनके मुंह में कोकीन की मात्रा मिली। इलाज के बाद भी उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने मौत का कारण कोकीन की अधिकता को बताया था।

आतंकियों के ठिकाने का भंडाफोड़, विस्फोटक और हथियार जब्त

जम्मू (आरएनएस)। भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने अपने संयुक्त कार्रवाई कर जम्मू-कश्मीर के डोडा इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों के ठिकाने का भंडाफोड़ किया है. इस दौरान बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और हथियार बरामद किए गए हैं.

रक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर भगवाह प्रखंड के कुधार क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया और वहां से काफी संख्या में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री जब्त की गई. प्रवक्ता ने कहा कि जब्त हथियारों में दो ए के 47 राइफल, 355 गोलियां, तीन मैगजीन, एक यूबीजीएल, चार चीनी ग्रेनेड शामिल हैं.

जस्टिस सूर्यकांत बने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस

नई दिल्ली (आरएनएस)। जस्टिस सूर्यकांत को आज हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। केंद्र सरकार की ओर से इस बवात आदेश जारी कर दिए गए हैं। जस्टिस सूर्यकांत इस समय पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हैं। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश संजय करोल देख रहे हैं।

जस्टिस सूर्यकांत 2000 में हरियाणा के महाधिवक्ता के तौर नियुक्त हुए थे। वह लगातार दो बार राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य रहे। 10 फरवरी 1962 को जन्मे सूर्यकांत ने हिसार के राजकीय महाविद्यालय से 1977 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी तथा 1984 में कानून की पढ़ाई महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से पूरी की।

इसके बाद उन्होंने पहले जिला न्यायालय और फिर 1985 में चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में बतौर वकील प्रैक्टिस शुरू कर दी थी।

2022 तक प्लास्टिक-पॉलिथीन से मुक्त हो जाएगा भारत: पीएम

पीएम मोदी को मिला यूएन का चैंपियन ऑफ अर्थ अवार्ड, पर्यावरण समस्या से निदान के लिए पीएम की जलवायु को संस्कृति से जोड़ने की वकालत

नई दिल्ली (आरएनएस)। पर्यावरण के हित में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुधवार को एक भव्य समारोह में संयुक्त राष्ट्र का चैंपियन ऑफ अर्थ अवार्ड से स मानित किया गया। इस दौरान पीएम ने साल 2022 तक देश को प्लास्टिक-पॉलिथीन से मुक्त कराने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जलवायु को जब तक संस्कृति से नहीं जोड़ा जाएगा तब तक पर्यावरण की समस्या का हल निकाला जाना मुश्किल है। अवार्ड को उन्होंने आदिवासी, किसान, मछुआरों और महिला का स मान बताया।

यूएन महासचिव एंटोनिया गुटेरेस के हाथों स मान हासिल करने के बाद पीएम ने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण सदियों से भारत की संस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। जलवायु की चिंता जब तक बनी रहेगी जब तक इसे संस्कृति जोड़ नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि भारत में आदिवासी, किसान, मछुआरे और महिलाएं पर्यावरण दूत हैं। इनकी हजारों साल की जीवन शैली में पर्यावरण का अहम स्थान रहा है। वैसे भी हम देशवासी अपनी धरती को मां के रूप में पूजते है।

पीएम ने कहा कि भारत में गरीबों की सं या लगातार घट रही है। गांवों का शहरीकरण हो रहा है। पर्यावरण पर बोझ न पड़े, इसके लिए सरकार शहरों के निर्माण में पर्यावरण मूल्यों का ध्यान रख रही है। हमने 2022 तक देश को प्लास्टिक-पॉलिथीन मुक्त कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

सुषमा ने दिलाई पेरिस समझौते की याद

इस दौरान विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पेरिस समझौते की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि जब कुछ देशों ने इस समझौते से निकलने की बात की तो पीएम ने कहा था कि भारत ने किसी दबाव में इस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया था।